बजट में एफआईआई मुद्दे और एक करोड़ की आय वाले उद्यमियों पर बढ़े कर से शेयर, रुपया और सोना लुढ़के

बाजार को रास न आई एसटीटी में छूट

मुंबई | एजेंसियां

बजट से उम्मीद लगाए बैठा बाजार गुरुवार को औंधे मुंह गिर गया। बीएसई का सेंसेक्स तेज गिरावट के साथ 19 हजार अंक से नीचे पहुंच गया, वहीं रुपया 50 पैसे की भारी गिरावट के साथ एक सप्ताह के निचले स्तर पर बंद हुआ जबकि सोने-चांदी में भी दो दिनों की तेजी थम गई।

आम बजट से निराश बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 291 अंक का गोता खाकर 19,000 अंक से नीचे बंद हुआ। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 104 अंक नीचे आ गया। सरकार ने बजट में कंपनियों और अमीर लोगों पर और कर लगा दिया, वहीं दूसरी ओर बड़े निवेशकों के लिए मामूली रियायतों की पेशकश की है। एफआईआई मुद्दा और एक करोड़ रुपये से अधिक आय वाले उद्यमियों पर अधिभार लगाने के प्रस्ताव ने बाजार की धारणा कमजोर कर दी।

वहीं दूसरी ओर वैश्विक मंदी के बीच मौजूदा उच्चस्तर पर स्टॉकिस्टों की बिकवाली के चलते सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट आई।

खासकर सोने के निवेशकों को बजट पसंद नहीं आया। सरकार ने बजट में सोने में निवेश को हतोत्साहित करने के उपाय किए हैं जिससे दिल्ली सर्राफा बाजार में सोने के भाव 180 रुपये की हानि के साथ 30,150 रुपये प्रति दस ग्राम पर आ गए। वहीं चांदी 335 रुपये की गिरावट के साथ 55,265 रुपये प्रति किलो दर्ज की गई।

बजट से निराश रुपये में भी 2013 की दूसरी सबसे बड़ी गिरावट दर्ज हुई। पूंजी के बाह्य प्रवाह से रुपया 50 पैसे की गिरावट के साथ एक सप्ताह के निचले स्तर 54.36 प्रति डॉलर पर आ गया। इससे पहले 4 जनवरी, 2013 को रुपये में 57 पैसे की गिरावट आई थी।

रियायतों और टैक्स के बीच झूले निवेशक

सीटीटी में कृषि एवं गैर-कृषि जिंसों में भेदभाव साफ है। भारत के जिंस बाजार ने गैर-शहरी इलाकों में 10 लाख से अधिक रोजगार का सृजन किया है जो सीटीटी से खतरे में पड़ सकता है।

श्रीकांत जावलगेकर, प्रबंध निदेशक व सीईओ, एमसीएक्स

एसटीटी का असर

₹10 प्रति लाख लगेगा फ्यूचर सौदों पर एसटीटी जो पहले 17 रुपये लगता था।

सीटीटी का असर

₹10 प्रति लाख लगेगा गैर-कृषि जिंसों के वायदा कारोबार पर सीटीटी जो पहले नहीं था।

आएगा गार

01 अप्रैल, 2016 से लागू किए जाएंगे संशोधित गार के प्रावधान।

स्टील कंपनियों को फायदा

7.5 फीसदी गैल्वानाइज्ड स्टील पर लगना वाला निर्यात शुल्क घटाकर शून्य कर दिया गया है।

राजीव गांधी इक्विटी योजना का दायरा दो लाख और बढ़ा

नई दिल्ली। आम निवेशकों की शेयर बाजार में हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए राजीव गांधी इक्विटी सेविंग स्कीम (आरजीईएसएस) को ज्यादा आकर्षक बनाने की कोशिश की गई है। इस योजना के तहत 12 लाख रुपये की सालाना आमदनी वाले लोगों को निवेश करने की छूट देने का प्रस्ताव किया है। पिछले साल बजट में किए गए प्रस्ताव के मुताबिक इस योजना में पहली बार शेयर में निवेश करने लोगों के लिए आय सीमा 10 लाख रुपये तय की गई थी। चिदंबरम ने वित्त वर्ष 2013-14 के बजट प्रस्ताव में इस योजना के तहत निवेश करने की समय सीमा को बढ़ाकर तीन साल तक करने का प्रस्ताव किया है जो पहले एक साल तक के लिए ही थी। योजना के तहत सूचीबद्ध कंपनियों के शेयरों के साथ म्यूचुअल फंड में भी निवेश किया जा सकेगा। शेयर बाजार में पहली बार निवेश करने वाले लोगों के लिए 50 हजार रुपये के निवेश पर टैक्स में 50 फीसदी छूट का प्रावधान है।

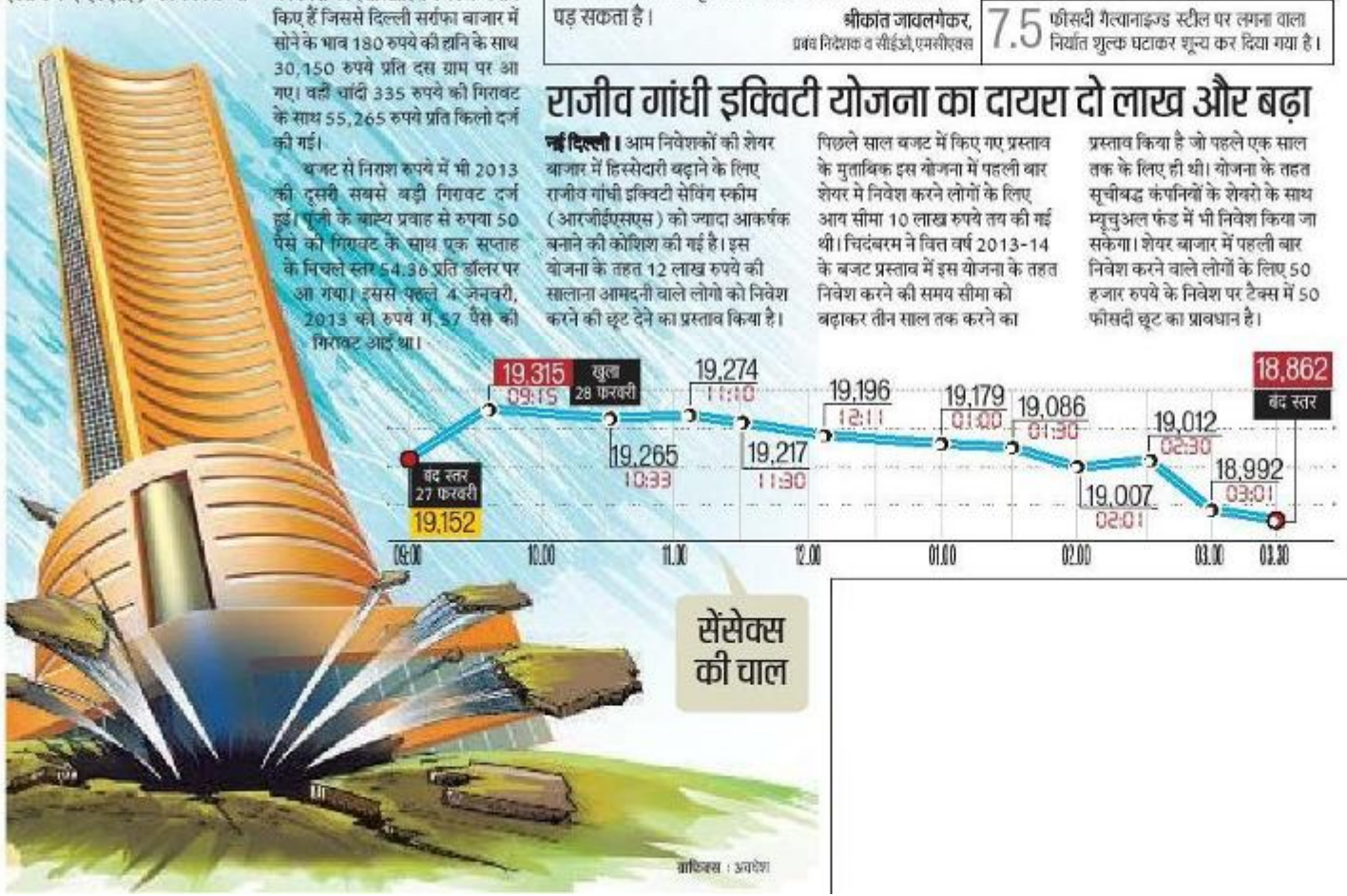

ग्राफिक्स : अवधेश

उद्योग जगत के दिग्गजों ने सराहा

हम पूंजी बाजार को ध्यान में रखते हुए की गई पहल का स्वागत करते हैं। जीएसटी अगले साल तेज विकास में बड़ी भूमिका निभाएगा।

आदि गोदरेज, चेयरमैन, गोदरेज समूह

देश के सामने राजकोषीय घाटे से निपटना और निवेश को फिर से वापस लाना दो बड़ी चुनौतियां हैं। कई ऐसे कदम उठाएं गए हैं जो निवेश को गति प्रदान करेंगे।

चंदा कोचर, एमडी, आईसीआईसीआई बैंक

सरकार ने सीटीटी लगाया है, लेकिन मुझे नहीं लगता कि इससे सर्राफा उद्योग पर विपरीत असर होगा। यह अच्छा है कि बुलियन पर किसी अन्य तरह की पाबंदी नहीं लगाई गई है।

पृथ्वीराज कोठारी, एमडी, सिद्धिसिद्धी बुलियन

किसी भी वित्तमंत्री के लिए हर किसी को खुश करना संभव नहीं। बजट में वर्तमान आर्थिक परिस्थिति को ध्यान में रखते हुए अधिकतम प्रयास किए गए हैं।

सुधाकर रामसुब्रमण्यम, एमडी, आदित्य बिड़ला मनी

आवास ऋण पर एक लाख रुपये की अतिरिक्त छूट का फायदा एनसीआर में बन रही मध्यम दर्जे की आवासीय परियोजनाओं में घर खरीदने वालों को मिलेगा। **राजेश गोयल,** एमडी, आरजी ग्रुप

वित्तीय प्रतिबद्धता को दर्शाते हुए वित्त मंत्री ने सभी क्षेत्रों को आवंटन दिया है। मुद्रास्फीति बॉन्ड के प्रस्ताव से पूंजी बाजार को राहत प्रदान की है।

वी.आर. अय्यर, सीएमडी, बैंक ऑफ इंडिया